(घ) क्या इस हड़ताल के फलस्वरूप हुई हानि का अनुमान लगाया गया है और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री करिया मुण्डा) : (क) डल्ली राजहरा की उन खानों में, जिनमें खनन कार्य श्रमिकों द्वारा किया जाता है ठेकेदारों तथा श्रमिक सहकारी समितियों के कामगारों ने अक्तूबर-नवम्बर, 1977 में हड़ताल की थी ।

(ख) उनकी मुख्य मांगें निम्नलिखित थी :—

1. श्रमिकों को काम न होने पर भी मिलने वाली मजूरी दी जाए ।
2. ऐसे मामलों में जिनमें ठेकेदारों द्वारा झोंपड़ी बनाने की सामग्री के लिए भुगतान नहीं किया है, भुगतान किया जाए ।
3. परिवहन कर्मचारियों को माल उतारने के लिए 27 पैसे प्रति टन की दर से पिछला भुगतान किया जाए ।
4. लौह अयस्क मजूरी बोर्ड की सिफारिशें कर्मचारियों की कुछ श्रेणियों जैसे लिपिक कर्मचारियों, परिचालकों और नैमित्तिक मजदूरों पर लागू की जाएं ।

(ग) उपरोक्त सभी मांगें दिनांक 1 नवम्बर, 1977 के बातचीत द्वारा किए गए समझौते से हल कर ली गई थी ।

(घ) सितम्बर-अक्तूबर और नवम्बर, 1977 के महीनों में लौह अयस्क के आयोजित उत्पादन लक्ष्य की तुलना में वास्तविक उत्पादन में उत्पादन की हानि क्रमश: 21.6, 19.4 और 52.3 प्रतिशत रही । हड़ताल होने के कारण तीन महीनों में लोह अयस्क का उत्पादन न होने से 1.87 करोड़ रुपये की हानि हुई ।

डल्ली राजहारा खानों का मशीनीकरण

4122. **श्री मोहन जैन** : क्या **इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या डल्ली राजहारा खानों में उत्पादन के लिए मशीनीकरण किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो इस मशीनीकरण के फलस्वरूप कितने श्रमिकों के बेरोजगार हो जाने की आशंका है; और

(ग) बेरोजगार हुए श्रमिकों को वैकल्पिक रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा तैयार की जाने वाली योजना का ब्यौरा क्या है ?

इस्पात और खान मंत्री (श्री बीजू पटनायक) : (क) राजहरा की लौह अयस्क खानों में एक खान ऐसी है जिसमें 1960 से मशीनों द्वारा कार्य हो रहा है । प्रौद्योगिकीय आवश्यकताओं को ध्यान में रख कर डल्ली लौह अयस्क की खानों के यंत्रीकरण के लिए एक योजना कार्यान्वित की जा रही है जिसके चालू वित्त वर्ष के अन्त तक पूर्ण हो जाने की संभावना है ।

(ख) डल्ली लौह अयस्क की खानों के यंत्रीकरण के परिणामस्वरूप ठेकेदारों तथा श्रमिक सहकारी समितियों के इस समय काम कर रहे 6742 कामगारों के फालतू हो जाने की संभावना है ।

(ग) सरकार ने स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड से कहा है कि क्या वह ठेकेदारों के इन कामगारों में से कम कुछ कामगारों को अन्य क्षेत्र की खानों में वैकल्पिक रोजगार दिला सकती है।

मशीनीकरण तथा डल्ली राजहारा खानों के उत्पादन पर उसका प्रभाव

4123. **श्री मोहन जैन :** क्या **इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दुर्ग जिले की डल्ली राजहारा खानों के मशीनीकरण की योजना पूरी हो गई है; और

(ख) यदि हां, तो इस नई प्रणाली से उत्पादन कब तक शुरू हो जाएगा तथा इसके फलस्वरूप वर्तमान उत्पादन की तुलना में यह उत्पादन कितने प्रतिशत बढ़ जाएगा ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री करिया मुण्डा) : (क) सम्भवतः अभिप्राय भिलाई इस्पात कारखाने की डल्ली लौह अयस्क की खानो के यंत्रीकरण से है। आशा है डल्ली खानों की यंत्रीकरण योजना चालू वित्त वर्ष के अन्त तक पूरी हो जायेगी ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

दुर्ग जिले में डल्ली-राजहारा खानों में उत्पादन के आधुनिक तरीके

4124. **श्री मोहन जैन :** क्या **इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जिला दुर्ग में डल्ली-राजहारा खानों में उत्पादन के कोई आधुनिक तरीके लागू किये जा रहे हैं ;

(ख) तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है; और

(ग) उन पर कुल कितना व्यय होगा ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री करिया मुण्डा) : (क) और (ख). भिलाई इस्पात कारखाने की राजहारा लौह अयस्क की खानों में खुले मुंह के यंत्रीकृत खनन में ड्रिलिंग और खनन के लिए भारी उपस्करों का उपयोग, परिवहन, क्रशिंग, स्क्रीनिंग और लदान के आधुनिक तरीकों का उपयोग पहले से ही किया जा रहा है। डल्ली यंत्रीकृत खनन प्रायोजना में भी, जो अभी निर्माणाधीन है, इसी प्रकार के आधुनिक तरीकों का उपयोग किया जायेगा। जबकि राजहारा की खानों के मुहानों से अयस्क की ढुलाई रेल द्वारा की जाती है, डल्ली की खानों में डम्पर द्वारा ढुलाई की अधिक नमन प्रक्रिया के प्रयोग की परिकल्पना की गई है। इसके अतिरिक्त डल्ली की खानों में धमन भट्टियों तथा सिन्टर कारखाने के लिए आवश्यक लौह अयस्क के डलों की क्वालिटी में सुधार करने के लिए लौह अयस्क के शोधन की व्यवस्था भी की गई है।

(ग) डल्ली यंत्रीकृत खान प्रायोजना की स्वीकृत संशोधित अगुमानित लागत 28.64 करोड़ रुपये है।

Mineral water in Mandi and nearby areas in Himachal Pradesh

4125. SHRI DURGA CHAND: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Mineral water in Mandi and nearby areas in Himachal Pradesh has been recently found;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) what steps are being taken by Government to make use of this Mineral water?